

भारत की वन

- ☞ वन अनुसंधान केन्द्र देहरादुन, औसतन वन - 33%, भारत - 23 से 24%
- ☞ सबसे ज्यादा वन - मध्य प्रदेश
- ☞ UT में सबसे ज्यादा - अण्डमान निकोबार
- ☞ जापान - 66%

1. **उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन -**
 वर्षा - 200cm
 तापमान - 22 से 23° C
 पेड़ पतले लम्बे (विषुवत रेखा)
 विषुवत रेखा
 पश्चिमी घाट, मेघालय, अण्डमान निकोबार
 Ex-रोजवुड, आयरनवुड, महोगनी
2. **उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन - (मानसूनी वन)**
 वर्षा - 100 से 200 cm
 तापमान - 25°C
 लकड़ी-मुलायम और मजबूत
 Ex-आम, जामुन, शीशम, सागवान, महुआ
3. **उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन**
 वर्षा - 70 से 100 cm
 वृक्ष - विरल
 Ex-बेल, पीपल, तेंदु, खैर, बरगद, भोजपत्र, शखुआ

Note : कत्था बनाने के लिए खैर की लकड़ी तथा बिड़ी बनाने के लिए तेंदु वृक्ष के पत्ते

4. **पर्वतीय वन-**
 हिमालय एवं प्रायद्विपीय पठारी क्षेत्र
 2500 - 4000 m ऊँचाई पर
 आकार - कोणधारी या शंकुधारी
5. **मरुस्थलीय वन-**
 वर्षा - 50 cm, राजस्थान, पत्ती काँटे का रूप
6. **दलदलीवन -** लकड़ी कठोर और मजबूत, घना, नाव बनाने में, सुन्दर वन डेल्टा

जलवायु

किसी खास जगह जिसके बारे में सरिक जानकारी हो उसे जलवायु कहते हैं।

भारत में 4 प्रकार की ऋतुएं पायी जाती है।

1. **शीत ऋतु -** यह 15 दिसम्बर से 15 मार्च तक होता है। इस समय चलने वाली ठण्डी हवा को शीत लहर कहते हैं।
2. **गृष्म ऋतु -** यह 15 मार्च से 15 जून तक होता है। इस समय चलने वाली गर्म हवा को लू कहते हैं।
3. **वर्षा ऋतु -** यह 15 जून से 15 सितम्बर तक होता है। इस समय मानसून का आगमन हो जाता है।
- ☞ भारत में मानसून दक्षिण पश्चिम दिशा से जून के पहले सप्ताह में केरल में प्रवेश करता है और 14 जुलाई तक पूरे भारत

में फँस जाता है। सबसे अंत में मानसून पंजाब में पहुँचता है। सर्वाधिक वर्षा मानसी राम में सबसे कम वर्षा लद्दाख में होती है। लौटते मानसून से वर्षा आन्ध्रप्रदेश तथा तमिलनाडु में होते हैं लौटते मानसून से चक्रवात उड़िसा तथा आन्ध्रप्रदेश में आते हैं।

- ☞ **शरद ऋतु** – 15 सितम्बर से 15 दिसम्बर के बीच होता है। इस समय मानसून लौट चुका होता है। मानसून लौटने के कारण आसमान पूरी तरह साफ हो चुका रहता है। जिस कारण चिलचिलाती हुई धूप पड़ती है जिसे हथिया कहते हैं।

प्रमुख खनिज

खनिज	उत्पाद राज्य	प्रमुख खान
ताँबा	मध्य प्रदेश	खेतड़ी
हीरा	मध्य प्रदेश	पन्ना
सोना	कर्नाटक	कोलार
चाँदी	राजस्थान	जवार
जिप्सम	राजस्थान	हनुमानगढ़
टिन	छत्तीसगढ़	बस्तर
अभ्रक	आंध्र प्रदेश	नेल्लोर
लौहअयस्क	उड़ीसा	कर्नाटक कुद्रमुख, छत्तीसगढ़ बैलाडिला, उड़ीसा क्योँझर
कोयला	छत्तीसगढ़	झरिया धनबाद
थेरियम	केरल	
युरेनियम	आंध्र प्रदेश	जादुगोड़ा (झारखण्ड)

भारत के विभिन्न जनजातियाँ

- ☞ भारत की 550 जनजातीय को दो भागों में बाँटते हैं। अनुसूचित जाति (SC) इनकी संख्या 16% है।

- ☞ अनुसूचित जनजाति (ST) : इनकी संख्या 8.5% है।

भारत कि सर्वाधिक SC U.P. में है।

सर्वाधिक (ST) M.P. में है।

SC का सर्वाधिक प्रतिशत पंजाब में है।

भारत की सबसे बड़ी जनजाति गोंड है। दक्षिण भारत की सबसे बड़ी जनजाति टोडो है।

बिहार-झारखण्ड की सबसे बड़ी जनजाति संस्थाल है पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी जनजाति वोडो है।

जम्मू-कश्मीर	—	गद्दी, वकरवाल
हिमाचल प्रदेश	—	किन्नर
गुजरात	—	भील, बंजारा, पटेलिया, कोली, डाफर, टोलिया
राजस्थान	—	मीना, भील, बंजारा, कोली
उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड	—	थारू (दिवाली को शोक के रूप मनाते हैं)
मध्य प्रदेश	—	गोड़, भील
बिहार-झारखण्ड	—	संथाल, मूण्डा, हो
उड़िसा	—	खोड
अरुणाचल प्रदेश	—	मिसमी, डाफला

असम	-	बोडो, मिकिर
मेघालय	-	गारो, खासी, जयंतिया
नागालैण्ड	-	मो, अंगामी, नागा
मणीपुर	-	कुकी
मिजोरम	-	मिजो, लुसाई
आंध्र प्रदेश	-	कदर
केरल	-	इरला
तमिलनाडु	-	टोंडा
अण्डमान निकोबार	-	सेम्पेन, भाखा, सेंटलीज (44)

जनसंख्या

जनसंख्या संबंधी सिद्धांत माल्थस ने दिया था। माल्थस के अनुसार गुणोत्तर श्रेणी में बढ़ती है अर्थात् लगभग 16 साल में जनसंख्या दुगुनी हो जाएगी।

जनसंख्या की अवस्था -

जनसंख्या के पाँच अवस्थाएँ होती हैं।

1. **प्रथम अवस्था**-इसमें जन्म दर तथा मृत्युदर दोनों ही उच्च होता है। यह प्राचीन भारत में देखी जाती है-
Ex = शाहजहाँ 7/14
2. **दूसरी अवस्था**-इसमें जन्म दर उच्च तथा मृत्यु दर निम्न हो जाती है। इसमें जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ती है।
3. **तिसरी अवस्था**-इसमें जन्म दर तथा मृत्यु दर उच्च तथा मृत्यु दर बहुत ही कम होती है, इसमें जनसंख्या में स्थिरता बढ़ती है।
4. **चौथी अवस्था**-इसमें जन्म दर तथा मृत्यु दर दोनों ही बहुत कम होती है, इससे स्थिरता अधिक आती है। भारत में यही अवस्था है।
5. **पाँचवीं अवस्था**-इसमें जन्म दर तथा मृत्यु दर दोनों ही अत्यधिक कम हो जाता है। यह विकसित देशों में देखी जाती है।

भारत में पहली बार जनगणना 1872 में लॉर्ड मेयो ने किया किन्तु यह सिमित क्षेत्र में था। नियमित दशकिय जनगणना 1881 में लॉर्ड रिपन के समय से हुई।

नियमित रूप से 2011 की जनगणना चौदहवीं थी किन्तु प्रारंभ 15वीं थी। भारत में जनगणना का दायित्व रजिस्टार जनरल का होता है। विश्व में पहली बार जनगणना स्वीडेन ने किया था। भारत के पास विश्व का 2.4% क्षेत्र है किन्तु विश्व की 17% जनसंख्या है।

1921 में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि देखी गई। अतः इसे महान विभाजन का वर्ष कहते हैं। 1951 में भी जनसंख्या में वृद्धि देखी गई इसे लघु विभाजन कहते हैं।

सर्वाधिक जनसंख्या -

सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य

1. U.P.
2. Maharastra
3. Bihar

न्यूनतम जनसंख्या वाला राज्य

- सिक्किम
- मिजोरम
- अरुणाचल प्रदेश

केन्द्रशासित प्रदेश

सर्वाधिक जनसंख्या वाला केन्द्रशासित प्रदेश

दिल्ली

पाण्डिचेरी

चण्डीगढ़

न्यूनतम जनसंख्या वाला केन्द्रशासित प्रदेश

लक्षद्वीप

दमन द्वीप

दादर नगर हवेली

लिंगानुपात - 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या लिंगानुपात कहलाती है।

सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य

केरल - 1084

तमिलनाडु - 996

आंध्र प्रदेश - 993

छत्तीसगढ़ - 991

बिहार - 918

न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य

हरियाणा - 879

जम्मू-कश्मीर - 889

सिक्किम - 890

शिशु लिंगानुपात -

सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाला राज्य

अरुणाचल प्रदेश - 972

मिजोरम - 970

मेघालय - 970

न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाला राज्य

हरियाणा - 834

पंजाब - 846

राजस्थान - 888

- ☞ सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य : (i) बिहार (1106), (ii) पश्चिम बंगाल (1028), (iii) केरल (860)
- ☞ न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य : (i) अरुणाचल प्रदेश (17), (ii) मिजोरम (52), (iii) सिक्किम (86)
- ☞ सर्वाधिक दशकीय वृद्धि - (a) मेघालय 27% (b) अरुणाचल प्रदेश 26% (c) बिहार 25.4%
- ☞ न्यूनतम दशकीय वृद्धि - (a) नागालैण्ड 6% (b) केरल 4.9% (c) गोवा 8.2%
- ☞ सर्वाधिक साक्षरता - (a) केरल 94% (b) मिजोरम 91.3% (c) गोवा 88.7% (d) त्रिपुरा 87.2%
- ☞ न्यूनतम साक्षरता - (a) बिहार 61.8% (b) उत्तर प्रदेश 65.4% (c) राजस्थान 66.8%
- ☞ सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या - महाराष्ट्र
- ☞ न्यूनतम नगरीय जनसंख्या - अरुणाचल प्रदेश
- ☞ सर्वाधिक पुरुष तथा महिला साक्षरता वाला राज्य - केरल
- ☞ न्यूनतम पुरुष तथा महिला साक्षरता वाला राज्य - बिहार
- ☞ 2011 के जनगणना के अनुसार भारत के कुल जनसंख्या का 31.1% शहरी क्षेत्र में निवास करते हैं जबकि 68.9% ग्रामीण क्षेत्र में निवास करते हैं।

